निखिल सर के समाचार

संस्करण – 09

भारतीय राजनीति देश की वास्तविक एवं मूल भूत समस्याओं पर ध्यान दे !
या हम कह सकते हैं भारतीय राजनीति की शीर्ष राजनीतिक आपदाएं

- टीवी पर होने वाली बहसों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और सोशल मीडिया पर प्रकाशित लेखों और समाचारों के अवलोकन के आधार पर यह मेरे अपने निजी विचार हैं । भारत देश की वास्तविक समस्याएं गरीबी, महँगाई, बेरोजगारी, महँगी शिक्षा आदि नहीं है लेकिन क्यों?
- हम उन वास्तविक समस्याओं को जानने और समझने का प्रयास करेंगे, जिनके कारण यह सब होती हैं । यदि हम इन समस्याओं को दूर कर लें तो हम आसानी से अपने देश को विकसित देश बना सकते हैं ।
- मैं और भी बहुत कुछ कहना चाहता हूं और भी बहुत सारे समस्याएँ और मुद्दे हैं। इसलिए हम बाद में विस्तार से चर्चा करेंगे । कृपया जातिवाद और धार्मिकता के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रवाद के लिए वोट करें ।

भारत देश की वास्तविक समस्याएं

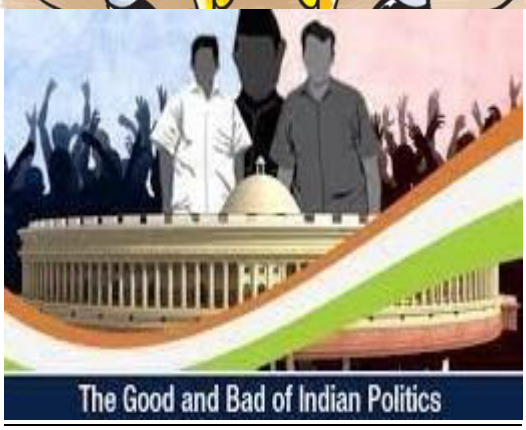

1. चुनाव में अपना वोट न देने की प्रवृत्ति
2. भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को राजनीति में प्रवेश
3. राजनीतिक दलों द्वारा भ्रष्ट नेताओं और अपराधियों का समर्थन
4. दिन - प्रतिदिन बढ़ती भारत की जनसंख्या
5. राजनीतिक दलों द्वारा जातिवाद और धार्मिकता के नाम पर वोट मांगना और धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा करना
6. EVM ईवीएम बनाम बूथ कैप्चरिंग
7. महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा का दिखावा करना
8. अपने संस्कार और संस्कृति का अपमान करना और उनका परिहास करना
9. भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों को गालियाँ देना और विदेशियों का समर्थन करना
10. निःशुल्क वस्तुओं का वितरण
11. आपका पसंदीदा खेल क्रिकेट

1. चुनाव में अपना मत न देने की प्रवृत्ति –

प्रत्येक चुनाव में लगभग 50-60% मतदाता ही अपने वोट डालते हैं । इसका मतलब है कि वे भारत के लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं । उन्हें अपने मतदान के अधिकारों की परवाह नहीं है या वे इसके बारे में नहीं जानते हैं। यदि वे अपना वोट नहीं डालते हैं तो मेरा सुझाव है कि "क्यों ना, उन्हें अपनी नागरिकता छोड़ देनी चाहिए" या "क्यों ना, सरकार को उनकी नागरिकता ले लेनी चाहिए", यदि उनके पास चुनाव में अपना मत न देने का कोई वैध कारण नहीं है ।

2. भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को राजनीति में प्रवेश –

भारतीय जनता प्रथम चुनाव 1952 से ही भ्रष्टों और अपराधियों को चुनकर संसद सदस्य और विधानमंडल सदस्य बना रही है । अगर भारतीय जनता भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को राजनीति में प्रवेश नहीं करने दें और देश की जनता उन्हें संसद और विधानमंडल के लिए नहीं चुने । यदि हम भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को कभी न चुनें तो बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और महंगी शिक्षा आदि को आसानी से दूर कर सकते हैं ।

3. राजनीतिक दलों द्वारा भ्रष्ट नेताओं और अपराधियों का समर्थन -

कई सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दल और मुख्य रूप से फिल्में और टीवी धारावाहिक कभी भी मुख्य विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दल कभी भी भ्रष्टाचार और अपराध के विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। अधिकतर राजनीतिक दल भ्रष्ट नेताओं और अपराधियों का समर्थन करते हैं।

4. दिन - प्रतिदिन बढ़ती जनसंख्या –

भारत में हर साल 2.5 करोड़ से ज्यादा बच्चे पैदा होते हैं। कोई भी राजनीतिक दल हर साल 2.5 करोड़ नौकरियाँ नहीं देता, न ही सरकार, यहाँ तक कि निजी कंपनियाँ भी नहीं । जो राजनीतिक दल आपसे वादा कर रहे हैं वे केवल वोट लेने के लिए जनता को मूर्ख बना रहे हैं, उनके कल्याण के लिए काम नहीं कर रहे हैं ।

5. राजनीतिक दलों द्वारा जातिवाद और धार्मिकता के नाम पर वोट मांगना और धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा करना –

भारत में चुनाव, प्रथम चुनाव 1952 से ही जातिवाद और धार्मिकता पर आधारित है । चुनाव मे मतदान जनता के कल्याण और राष्ट्र के विकास पर नहीं किया जाता है । आज भी 80% भारतीय जनता जाति और धर्म के आधार पर ही वोट करती है । अधिकतर राजनीतिक दल धर्मनिरपेक्ष होने का मात्र दिखावा करते हैं ।

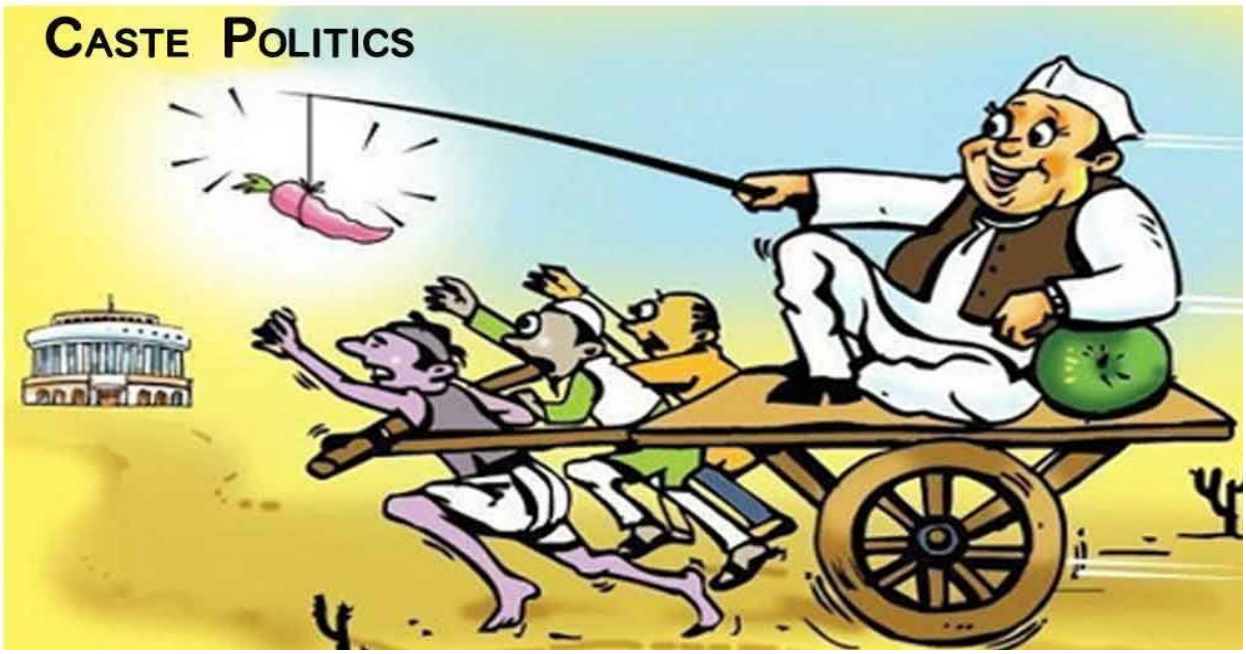

6. EVM ईवीएम बनाम बूथ कैप्चरिंग –

ईवीएम लाने से पहले बूथ कैप्चरिंग बहुत आम बात थी और चुनाव जीतने का यह सबसे प्रभावी तरीका था । हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने मतपत्रों के माध्यम से मतदान करने पर टिप्पणी की है कि आप लोग यह भूल गए हैं मतपत्रों से मतदान के समय क्या होता था?

7. <u>महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा –</u>

a) कई सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दल और मुख्य रूप से फिल्में और टीवी धारावाहिक कभी भी महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं बल्कि वे केवल अपने प्रचार और सिर्फ धन कमाने पर ध्यान केंद्रित कर आम जनता की भावनाओं से खिलवाड़ करते हैं ।
b) अधिकतर फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और विज्ञापनों में महिलाये अमर्यादित वस्त्र पहनती हैं । क्या बिना अमर्यादित वस्त्रों के फिल्म, टीवी धारावाहिक और विज्ञापन नहीं बन सकते हैं ?
c) हर किसी को पता है 70% से अधिक मामले फर्जी होते हैं और केवल 30% महिलाएं ही शिकायत करती हैं । लेकिन समाज कभी भी इन 30% महिलाओं का समर्थन नहीं करता ।
d) टीवी सीरियल और फिल्मों में दिखाया जाता है कि महिलाएं ही महिलाओं की दुश्मन होती हैं ।

8. <u>अपने संस्कार और संस्कृति का अपमान करना और उनका परिहास करना –</u>

भारतीयों द्वारा अपने संस्कार और संस्कृति का अपमान करना और उनका परिहास करना आधुनिकता की निशानी मानते हैं ।

9. <u>भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों को गालियाँ देना और विदेशियों का समर्थन करना –</u>

राजनीतिक दलों द्वारा भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों को गालियाँ देना और उनसे दान भी ले रहे हैं परन्तु विदेशियों का पूरा समर्थन करते हैं और उनका कभी विरोध नहीं करते ।

10. <u>निःशुल्क वस्तुओं का वितरण –</u>

क्या मुफ्त बांटना इन सभी समस्याओं का हल है नहीं नहीं बल्कि इन समस्याओं को देश के बढ़ाना है क्योंकि हमारी आने वाली पीढ़ी को इससे भी बड़ी विकराल समस्याओं का सामना करना पड़ेगा ।

11. <u>आपका पसंदीदा खेल क्रिकेट –</u>

a) हमें भारत बनाम पाकिस्तान मैच का समर्थन क्यों नहीं करना चाहिए? क्या आप जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले एक मैच में पाकिस्तान को करोड़ों की कमाई होती है चाहे वो जीते या हारे ! क्या आप जानते हैं कि अगर भारत-पाक रुका तो वर्ल्ड कप में आईसीसी को 80% से ज्यादा आय का नुकसान होगा ।
b) इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा दूसरा बिंदु- आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी ही क्यों खेलें, भारतीय खिलाड़ी ही क्यों नहीं? मेरे विचार में, आईपीएल में हमें केवल भारतीय खिलाड़ियों और उनकी प्रतिभा का समर्थन करना चाहिए।